VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 45943301

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : JITENDRA KUMAWAT

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख
Date

31/08/2024

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre MUKHERJEE NAGAR.

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे	**टेस्ट कोड : 3128**	अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours	**Test Code : 3128**	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

   The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

   Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

   We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

   The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

   It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

   To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

   We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

   A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

"विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।"

अफ्रीका के एक विद्यालय में एक मानव वैज्ञानिक ने सामाजिक परीक्षण के उद्देश्य से दो टीम बनाई और उन्हें कहा कि आपको दौड़ते हुए सामने स्थित पेड़ के नीचे रखी मिठाईयां लेनी है, जो जितनी ले लेगा उतनी उसकी।

प्रतिस्पर्धा की घंटी बजती है और प्रथम टीम के खिलाड़ी अपनी पूरी जान लगा के दौड़ते है तथा आपस में लड़-झगड़कर कुछ मिठाईयां लेने में

सफल होते हैं, इस पूरे परिदृश्य में कुछ खिलाड़ियों को न तो मिठाईयाँ मिली बल्कि उन्हें आपसी झगड़े की वजह से चोट भी आई।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वही दूसरी टीम के सभी खिलाड़ियों ने आपस में एक-दूसरे का हाथ पकड़ा और आराम से मिठाईयों तक पहुँचते हुए सब ने समान रूप से मिठाईयाँ आपस में बाँटकर सामूहिक आनंद लिया। जब दूसरी टीम के खिलाड़ियों से ऐसा करने का कारण पूछा गया तो उनका जवाब आया 'उबंटू' जिसका शाब्दिक अर्थ है 'मैं हूँ क्योंकि हम है'

उपरोक्त कहानी हमें बताती है कि जो बच्चे अलग-अलग होकर चले वे न केवल असफल हुए बल्कि उन्हें पीड़ा भी हुई बल्कि जो बच्चे साथ-साथ चले उन्होंने सामूहिक आनंद लिया। कहानी बताती है कि दूसरी टीम के बच्चों की तरह हमें विश्व के स्तर पर भी इसरी टीम की तरह चलने की आवश्यकता है।

हमें वैश्विक स्तर पर एक टीम बनाकर कार्य करना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

थोड़े इतिहास के पन्ने पलटकर देखें तो हम पाते हैं कि जो समाज या देश एक दूसरे का हाथ पकड़कर चले वे सफल हुए जबकि अन्य देश जो स्वार्थ लिप्सा जैसे तुच्छ मूल्यों के अधीन रहें वे अंततः एक भयावह अंत का शिकार हुए।

'थॉमस हॉब्स' की 'सोशल कांट्रेक्ट थ्योरी' के अनुसार सभ्यता के आरंभ से पूर्व प्रत्येक मनुष्य अन्य मनुष्यों का दुश्मन था और चारों तरफ अविश्वास व अराजकता का माहौल फैला हुआ था ऐसे में कोई भी समाज प्रगति नहीं कर पाता इसलिए समाज के कुछ प्रबुद्ध व्यक्तियों ने आपसी सहमति से तय किया की सामाजिक संरचना कैसी होगी, किस व्यक्ति के क्या अधिकार तथा कौनसे कर्तव्य होंगे।

जब यह व्यवस्था बनी तो समाज में शांति की स्थापना हुई और समाज प्रगति करने लगा। अब न केवल मनुष्य ने सामाजिक-आर्थिक विकास किया बल्कि वह मनोवैज्ञानिक रूप से भी सुदृढ़ स्थिति में पहुंचा।

VisionIAS

कालांतर में लगभग सभी कालों, देशों तथा परिस्थितियों में लोगों ने ऐसा ही किया और आगे बढ़ते गये।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान समय में भी हमें कुछ ऐसे ही विश्व की जरूरत है जहाँ सब एक दूसरे के साथ हिल-मिल कर कार्य करें ताकि सर्वांगीण विकास हो सके, जिनके लिए 'राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त जी' ने अपनी नवजागरणवादी कविता भारत-भारती में लिखा है

"सब-साथ हिल-मिल का चलों
यात्रा सुखद होगी तभी"

सर्वप्रथम हमें यह जानने की आवश्यकता है कि एक साथ मिलकर चलने का तात्पर्य क्या है? सामान्यतः किसी भी ठीक-ठाक मानसिक चेतना वाले व्यक्ति से पूछें तो इसका सरल शब्दों में उत्तर होगा कि 'सब का साथ-सबका विकास' अर्थात जब सब एक साथ मिलकर चलेंगे तभी समान विकास होगा। हमें अपने स्वार्थों को त्यागकर विश्व कल्याण व मानव कल्याण के लिए कार्य

VisionIAS

करना होगा। साथ मिलकर चलने का अन्य तात्पर्य है 'साहचर्य की भावना' जिसमें प्रत्येक व्यक्ति आपसी भाईचारा तथा बंधुत्व की भावना से प्रेरित हो।

अब हम इस तथ्य पर भी गौर करते हैं कि आखिर साथ मिलकर चलने की आवश्यकता क्यों है! हम सब ने बचपन में एक पिता व उसके पुत्रों की कहानी सुनी है जिसमें पिता सर्वप्रथम अपने पुत्रों को एक लकड़ी तोड़ने को कहता है और पुत्र उसे आसानी से तोड़ देता है, फिर वह अपने पुत्रों से दो लकड़ियां साथ तोड़ने को कहता है और कुछ बल लगाने के बाद पुत्र उसे भी तोड़ देते हैं, अंततः वह अपने पुत्रों को संपूर्ण गट्ठर तोड़ने को कहता है और सभी पुत्र ऐसा करने में नाकाम रहते हैं।

दरअसल उपरोक्त कहानी बताती है कि 'एकता में शक्ति है' यदि संपूर्ण विश्व एक साथ मिलकर कार्य करेगा तो सामूहिक विकास होगा अन्यथा प्रत्येक लकड़ी की तरह अलग-अलग रहे तो हम आसानी से टूट जायेंगे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

आज जहाँ संपूर्ण विश्व में अराजकता और भय का माहौल बना हुआ है ऐसे में केवल साथ मिलकर ही हम विकास कर पायेंगे।

यदि आज के विश्व पर हम दृष्टिपात करें तो अलग-अलग आयामों में हम अलग अलग दृष्टिकोण और भिन्नताएं पाते हैं।

सर्वप्रथम हम 'राजनीतिक आयाम' की ओर देखें तो पाते हैं कि अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाएं जैसे - लोकतंत्र (भारत, अमेरिका), समाजवाद (रूस, चीन), राजतंत्र (अरब देश) इत्यादि के साथ कुछ जगह अराजकता जैसे - हालिया बांग्लादेश का उदाहरण, कुछ जगह युद्ध जैसे - रूस-यूक्रेन युद्ध; इजरायल हमास युद्ध आदि से संपूर्ण विश्व विचलित है। ऐसे में संपूर्ण विश्व की भू-राजनीति इसी बात पर टिकी है कि हम एक साथ मिलकर कार्य करें जैसे - G20, संयुक्त राष्ट्र जैसे मंच।

इन सब राजनीतिक व्यवस्थाओं में से कुछ में न केवल मानवाधिकारों का हनन हो रहा है वरन् मानवीय जीवन की गरिमा भी तार-तार हो रही है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

विश्लेषण के दूसरे आयाम 'सामाजिक आयाम' की ओर देखें तो पायेंगे कि संपूर्ण विश्व में असमानता फैली हुई है. विश्व के पूंजीवादी स्वरूप में जहां एक ओर उच्चतम 10% अमीरों के पास लगभग 77% धन संपदा है, वही निचले 50% गरीबों के पास मात्र 3% संपदा है।

यदि ऐसा ही रहा तो वह दिन दूर नहीं जब 'मार्क्स की बर्जुआ तथा सर्वहारा की थ्योरी' मूर्त रूप ले लेगी और संपूर्ण विश्व में अव्यवस्था फैल जायेगी। साथ ही विश्व में हो रहे नारी अन्याय, दलित अन्याय, अश्वेत अन्याय, पशु अन्याय ~~हेतु भी~~ को दूर करने हेतु भी हमें एक साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

अगले आयाम 'आर्थिक आयाम' का भी अपना महत्व है, आज विश्व के बड़े देशों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा बनी हुई है; जहां एक ओर चीन तथा अमेरिका में आर्थिक युद्ध चल रहा है वहीं दूसरी ओर भारत जैसी अर्थव्यवस्थाएं एक नई आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर रही हैं। ऐसे में प्रत्येक देश अपने आर्थिक हितों को अधिक

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

महत्व दे रहा है जो हमें कोविड-19 के दौरान सप्लाई चेन मैनजमेंट में दिखाई दिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दरअसल इन सभी आयामों का एक मात्र कारण विश्लेषित किया जाये तो हम वैश्विक संघर्ष के पीछे एक ठोस वजह पर पहुंच सकते हैं। यदि इसे राष्ट्रकवि 'रामधारी सिंह दिनकर' की भाषा में कहें तो उनकी सशक्त कविता 'कुरुक्षेत्र' की निम्न पंक्तियां सटीक बैठती हैं -

"जब तक मनुज-मनुज का
सुख भाग नहीं सम होगा
शमित न होगा कोलाहल
संघर्ष नहीं कम होगा"

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए इस बिंदु पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है कि विश्व के एक साथ चलने व कार्य करने में परेशानियां क्या है?

यहाँ कुछ प्रमुख परेशानियों में स्वयं को महाशक्ति समझना; मानवीय मूल्यों को भूलना या पतन; स्वार्थलिप्तता; अन्य देशों पर अपना संप्रभु अधिकार जमाना (जैसे - चीन की कारव-

VisionIAS

फिंगर नीति); प्रकृति को दोहनीय मानना; उपभोक्तावादी मानसिकता (जैसे - नारी का वस्तुकरण) मत्स्य न्याय (कमजोर पर शक्तिशाली का शासन) इत्यादि प्रमुख कारण है।

लेकिन इन सब से बढ़कर एक कारण है वह है - 'मानवीय चेतना की मृत्यु'। औद्योगिक क्रांति 4.0 के इस जमाने में इंसान की चेतना मर चुकी है और वह न तो नैतिक कार्यों का साथ दे रहा है और न ही अनैतिक कार्यों की भर्त्सना कर रहा है। ऐसे में यदि यही चलता रहा तो बचा - कुचा सामाजिक ताना - बाना भी टूट जाएगा और संपूर्ण मानवता शर्मसार हो जायेगी, जिसके लिए कवि 'नवीन द्विवेदी' ने बहुत खूबसूरत कविता लिखी है -

"जलते घर को देखने वालों
फूस का घर आपका है
आपके पीछे तेज हवा है
आगे मुकद्दर आपका है
कल उसके कत्ल पें मैं चुप था
आज नंबर मेरा आया है
आज मेरे कत्ल पे आप चुप हो
अगला नंबर आपका है।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

तो क्या हमें यह मान लेना चाहिए की यह वैश्विक व्यवस्था ऐसे ही चलती रहेगी और इसका कोई समाधान या उपाय नहीं है? नहीं, ऐसा नहीं है। किसी महान व्यक्ति ने कहा था कि 'जहां चाह है, वहां राह है'। यदि मनुष्य अपनी इच्छाशक्ति से विश्वास कर ले कि उसे संपूर्ण संसार को एकता के सूत्र में पिरोना है तो यह मुश्किल नहीं है कि संपूर्ण विश्व एक साथ मिलकर कार्य करे।

उदाहरण के तौर पर हम देखे तो भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 'महात्मा गांधी' ने संपूर्ण विश्व को अपने 'अहिंसा व सत्याग्रह' जैसे उपायों से एक सूत्र में पीरो दिया जिसका प्रभाव न केवल भारत बल्कि कई अन्य देशों जैसे दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश इत्यादि में भी दिखा। जिसके लिए कहना न होगा कि

"मैं तो अकेला ही चला था जानिबे मंजिल
लोग जुड़ते गए कारवां बनता गया।"

कहने का तात्पर्य है कि सब मिलकर कार्य करेंगे तभी कारवां बन पायेगा बशर्ते कोई सच्चा लीडर हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

वर्तमान में भी संपूर्ण विश्व में ऐसे अनेकों उदाहरण देखने को मिल जायेगें जो विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करने हेतु न केवल प्रेरित बल्कि बाध्य भी करते है। जैसे - भारत की अगुवाई में वैश्विक दक्षिण, संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व बैंक तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा संघ (IMF), गुट-निरपेक्षता पंचशील इत्यादि।

पिछले कुछ समय में ऐसी अवांछनीय तथा अपरिहार्य घटनाएं भी हुई है जिन्होने विश्व को एक साथ काम करने हेतु विवश किया है, जैसे- कोविड महामारी के दौरान वैक्सीन मैत्री तथा GAVI की स्थापना; जलवायु परिवर्तन हेतु UNFCCC तथा COP की परिकल्पना; वैश्विक मंदी के समय में आर्थिक सहभागिता इत्यादि।

संपूर्ण चर्चा का सार देखा जाये तो यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विश्व को एक साथ कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य नहीं करेगा क्योंकि यद्यपि संपूर्ण में अलग-अलग व्यक्तियों, समाजो देशो, समुदायों की प्राथमिकतायें अलग-अलग

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

है लेकिन सबका ध्येय एक ही है और वह है मानव कल्याण'

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आज मानव कल्याण न मात्र एक आवश्यकता है बल्कि वैश्विक संतुलन को दिशा दिखाने हेतु अपरिहार्य भी है, जिसके लिए भारत की G20 की थीम वाली सोच -

'वसुधैव कुटुंबकम: एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'

आवश्यक है। साथ ही हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए की 'सहकार से समृद्धि' ही सतोदय जैसे लक्ष्यों को पूरा कर सकती है, जिसमें अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को समान अवसर तथा गरिमा एवं सुविधा मिल सके। इसलिए आपसी स्वार्थों को त्यागकर हमें अफ्रीकी विद्यालय की उस दूसरी टीम के ध्येय 'उबंटू - मैं हूं क्योंकि हम है' की विचारधारा से कार्य करना चाहिए तभी संपूर्ण विश्व में शांति व सद्भाव कायम होगा, जिसके लिए 'कामायनी' में 'जयशंकर प्रसाद' लिखते है-

औरों को हंसते देखो मनु
हंसो और सुख पाओ
अपने सुख को विस्तृत कर लो
सबको सुखी बनाओ।

VisionIAS

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

"हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।"

"समुद्र किनारे एक 10 साल का बच्चा अपनी 5 साल की बहन के साथ चल रहा था। अचानक उसने महसूस किया कि उसकी बहन कहीं पीछे छूट गई। उसने देखा तो पाया कि बहन एक खिलौने की दुकान के सामने खड़ी एक गुड़िया देख रही है। बच्चा तुरंत स्थिति समझ गया और दुकान दार से पूछा कि गुड़िया का

VisionIAS

मूल्य क्या है? दुकानदार ने बच्चे से कहा कि आप क्या दे सकते हैं? बच्चे ने अपने जेब से कुछ सीपियाँ निकाली और दुकानदार के सामने फेरा की। दुकानदार ने उनमें से चार सीपियाँ रखी और शेष बच्चे को लौटाते हुए गुड़िया दे दी।

पास ही में खड़ा नौकर यह सब कुछ देख रहा था, उसने पूछा कि आपने इतनी महंगी गुड़ियाँ मात्र चार सीपियों के बदले क्यों दे दी, मेरी नजर से तो आपने बहुत बड़ा नुकसान किया है।

दुकानदार ने कहा लेकिन मेरी नजर से यह मानवता है, बच्चे ने अपनी कर्तव्यनिष्ठा पूरी की और मैंने अपनी मानवता।"

उपरोक्त कहानी हमें बताती है कि हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं। उपरोक्त कहानी में ही नौकर ने गुड़िया का मौद्रिक मूल्य देखा, दुकानदार ने मानवीयता, दया, करुणा प्रेम का मूल्य देखा और बच्चा जो कि उम्र में अपनी जिम्मेदारी समझता है कर्तव्यनिष्ठा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

का मूल्य देखा। दरअसल हम चीजों को वैसा देखते है जैसे हम अपनी सोच रखते है, जिसके लिए कहा गया है कि -

" जैसी रही भावना जाकि
प्रभु मूरत देखी तिन तैसी "

सर्वप्रथम हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि आखिर हम क्यों वस्तुओं का वास्तविक रूप न देखकर अपनी नजर से देखते है।

यदि इसके कारणों की जांच की जाये तो हम पाते है कि सामाजिक अनुरूपता, सामाजिक अनुकूलन, दंड एवं प्रशंसा की नीति आत्मज्ञान, आत्मबोध, आत्म अभिप्रेरणा, जानकारी का होना या न होना इत्यादि प्रमुख कारण है जो हमारी सोच को सांचे में ढालते है।

उदाहरण के लिये एक प्रोफेसर ने अपनी कक्षा के बच्चों से ~~आधे~~ जल से भरे आधे ग्लास के बारें में पूछा, कुछ का जवाब आया कि यह आधा खाली है, कुछ का जवाब आया कि यह आधा भरा हुआ है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

जिनका "जवाब आधा भरा हुआ आधा वे वस्तुओं, समुदायों, मनुष्यों इत्यादि के सकारात्मक पहलुओं को देखने वाले थे वहीं जिनका जवाब आधा खाली आधा वे वस्तुओं के नकारात्मक पहलू या कमियों को देखने वाले थे जो समाज द्वारा अनुनमनित किये गये थे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अन्य कारणों में देखे तो "आवश्यकतापूर्ति" एक महत्वपूर्ण कारण है जो हमारी सोच को आकार देती है। जिस वस्तु, व्यक्ति इत्यादि से हमारी आवश्यकता पूर्ति होती है वह हमारे लिए सकारात्मक अभिवृत्ति का कारण बनती है, वहीं जिस वस्तु से हमारी आवश्यकता पूर्ति नहीं होती उसके प्रति शून्य या नकारात्मक अभिवृत्ति बनती है। उदाहरण के लिए भक्तिकाल के दो महानतम कवि 'कबीर तथा तुलसीदास' की भक्ति भावना अलग-अलग थी। कबीर के लिए निर्गुण भक्ति जबकि तुलसीदास के लिए सगुण भक्ति, भक्ति का माध्यम बना। जैसे-

निर्गुन राम जपहु रे भाई – कबीर

VisionIAS

" जेहि इमि गावहिं वेद बुध, जेहि धरहिं मुनि ध्यान।
दसरथ सुत तेहि भगत हित, कोसलपति भगवान "
'तुलसीदास'

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कारणों से आगे बढ़ते हुए हम इस बात पर चर्चा करते है कि आखिर हमारा व्यक्तित्व हमारी सोच को कैसे आकार देता है?

इसका सरल उत्तर व्यक्ति के 'संज्ञानात्मक कौशल, व्यावहारिक कौशल तथा प्रभावित्‍ा कौशल' से दिया जाता है। जैसे कोई व्यक्ति जिसने एक बार गलती से सांप को रस्सी पकडकर उठा लिया लेकिन जब उसे पता चला कि वह रस्सी नहीं सांप है तो अगली बार से वह रस्सी को उठाने में भी इसे सांप समझने की गलती कर बैठता है।

दरअसल हमारे पिछले कार्यों का प्रभाव हमारे वर्तमान कार्यों तथा भविष्यों के कार्यों पर बखूबी पड़ता है क्योंकि जब हम कोई कार्य करते है तो उसके स्मृति अवशेष हमारे मस्तिष्क में बन जाते है, जब हम पुन: कोई काम करते है तो वे स्मृति अवशेष हमें पुराने कार्य की

VisionIAS

याद दिलाते है और हमारी अभिवृत्ति परिवर्तन का कारण बनते है।

वास्तव में देखा जाये तो हमारा व्यक्तित्व विभिन्न कारकों से अपना आकार ग्रहण करता है. जैसे- जैसे इसमें नई दिशाए, नये आयाम जुड़ते जायेंगे वैसे- वैसे ही हम अपनी सोच बदलते जायेंगे।

उदाहरण के लिये भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भगत सिंह तथा उनके साथियों के कृत्यों को पूरे भारतवर्ष के नागरिकों ने राष्ट्रवादी आंदोलन तथा अपनी अस्मिता की रक्षा हेतु सशस्त्र क्रांति के रूप में देखा वहीं औपनिवेशिक सरकार द्वारा यह कार्य क्रांतिकारी आतंकवाद के रूप में देखा गया। जबकि किसी भी तत्कालिक या समकालिक विचारक से पूछा जाये तो वास्तव में यह कार्य राष्ट्रवादी आंदोलन ही दिखाई देता है।

वास्तविकता तथा सोच की कड़ी में आगे हम बात पर ध्यान देना होगा कि हम वस्तुओं को वास्तविक रूप में न देखकर अपनी सोच

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

VisionIAS

के अनुसार देखने के कुछ लाभ या हानियाँ होती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जहाँ तक "लाभों की बात" है तो वस्तुओं को वास्तविक रूप में न देखकर अपनी सोच के अनुसार देखने के कुछ लाभ है।

सामान्यतः जिन वस्तुओं या कृत्यों या विचारों का हम पर सकारात्मक प्रभाव होता है उन्हें अपनी सोच के अनुसार देखने से हमें अभिप्रेरणा मिलती है तथा आत्मविश्वास बढ़ता है,

उदाहरण के लिये जैसे - नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित वाहन जैसे ई- व्हीकल। इनमें न तो पर्यावरण प्रदूषण होता है और दुर्घटना के सुलभ व स्वच्छ साधनों की भी प्राप्ति होती है।

लेकिन जिन कृत्यों या वस्तुओं का हम पर नकारात्मक प्रभाव होता है हम उनमें दूरी बना लेते है जो कि स्व- कल्याण हेतु अपरिहार्य है.

जैसे - सिगरेट से होने वाले नुकसान देख सिगरेट छोड़ना।

VisionIAS

लाखों में ही एक लाभ संपूर्ण मानवीयता का कल्याण भी है जैसे - UNFCCC के कार्बन क्रेडिट तथा रिमूवल प्रोग्राम से संपूर्ण पर्यावरण, पशु-पक्षी तथा मनुष्यों को लाभ। ऐसी वस्तुओं के प्रति हमारी सकारात्मक सोच हमारे व्यक्तित्व के कारण ही आती है।

आगे बढ़ते हुए "हानियों की बात" करें तो हानियां अधिक नजर आती है। यदि व्यक्ति अपने व्यक्तित्व से प्रेरित सोच के अनुसार काम करें तो संपूर्ण चराचर को उसका नुकसान उठाना पड़ता है।

उदाहरण के लिये "पूंजीवादी विचारधारा" वाले व्यक्ति अधिकतम धन अर्जन करना चाहते है, उन्हें इस बात से रत्ति भर भी फर्क नहीं पड़ता कि गरीबों, असहायों का इस पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

इसी प्रकार "पितृसत्तात्मक सोच" वाले व्यक्तियों द्वारा नारी अधिकारों का हनन, घरेलू हिंसा, ऑनर किलिंग, मैरिटल रेप जैसी अपावह क्रियाएं आज भी मौजूद है जबकि ईश्वर की नजर

में नारी और पुरुष समान है, जिसके लिए महाकवि 'तुलसीदास' ने 'रामचरितमानस' में लिखा है -

" नव मनु एको जिन्ह के होई
नारी पुरुष सचराचर होई "

वर्तमान समय में फैल रही कुरीतियाँ जैसे - "जातिवाद, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद" इत्यादि के पीछे भी लोगों का संस्कृति के वास्तविक स्वरूप को न देखकर स्वार्थी हितों से देखना है।

उदाहरण के लिये सांप्रदायिकता की मूल समस्या अपने धर्म को श्रेष्ठ मानने की विचारधारा जबकि जातिवाद की समस्या उच्च जाति तथा निम्न जाति की सोच है, जिसके लिए 'कबीर' ने कहा है -

हिंदू कहत है राम हमारा मुसलमान रहिमाना
आपस में दोऊ लड़ते रहते मर्म कोऊ नहिं जाना

लाभ-हानि विश्लेषण से आगे बढ़ते हुए हमें एक नजर इस तथ्य पर भी डालनी चाहिए कि क्या हम अपनी सोच अपने व्यक्तित्व

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

को बदल सकते हैं, यदि हाँ तो कैसे?

इसका जवाब है हाँ, हम ऐसा कर सकते है जिसके लिए कई उपकरण काम आते है। इन उपकरणों में सर्वप्रथम पैरेंटिंग अर्थात माता-पिता तथा अभिभावकों द्वारा बच्चे का नैतिक पालन। एक अच्छे व्यक्तित्व हेतु आवश्यक है कि माता-पिता अपने बच्चे को मूल्यों की शिक्षा दें। इनकी गलत धारणाओं का शमन करें तथा नैतिक गुणों का विकास करें।

अगला उपकरण विद्यालय तथा शिक्षा पद्धति है जो हमें सकारात्मक पहलुओं को समझने तथा नकारात्मक पहलुओं को छोड़ने की दिशा दिखाये।

सबसे अधिक दायित्व समाज का है। एक नैतिक समाज का यह कर्तव्य है कि वह सामाजिक अनुकूलता कि ऐसी विधियां गढ़े जो नैतिक व्यक्तित्व को प्रोत्साहित करें।

लेकिन इन सबसे बढ़कर स्वयं मनुष्य की जिम्मेदारी है कि वह अधिकाधिक ज्ञानार्जन करे, नए विषयों को सोचें उनके बारे में

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

अध्ययन करें तथा मानवीयता को धारण करते हुए एक समृद्ध समाज का विकास करें। वह सबको समान समझे जैसे 'कबीर' कहते हैं

'सांई के सब जीव हैं, कीरी कुंजर दोय'

निबंध की अपनी इस चर्चा का लाभ यदि हम देखें तो पाते हैं कि यह सत्य है कि किसी भी मनुष्य का व्यक्तित्व उसकी सोच निर्धारण करता है तथा उस सोच के अनुसार ही व्यक्ति को किसी वस्तु का वास्तविक स्वरूप दिखाई देता है जैसे- किसी को पत्थर में भगवान दिखाई देते हैं तो किसी को उपयोगिता - उदाहरण के लिये -

'पाहन पूजे हरि मिले तो मैं पूजू पहार
ता ते तो चाकी भली पीस खाय संसार'

मनुष्य की सोच को विभिन्न आकार देते हैं, इसलिए सदैव उन सकारात्मक शब्दों का आश्रय लेना चाहिए जो अज्ञानता का आवरण हटाकर हमें वस्तु का वास्तविक स्वरूप

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

किया सके। साथ ही संपूर्ण विश्व को नैतिक बनाने में मदद कर सके ताकि समस्त चराचर का कल्याण हो सके तथा किसी को कोई पीड़ा न हो। जिसके लिए "आचार्य शुक्ल" ने कहा है

किसी समाज की चित्तवृत्तियाँ वहाँ की सामाजिक राजनीतिक आर्थिक परिस्थितियों से बदलती है, ऐसे में आवश्यक है कि परिस्थितियां बदलने से चित्तवृत्तियों में बदलाव हो।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

FRAMEWORK : विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य नहीं करेगा

Intro - Anecdote - अफ्रीका → 2-team.
- पहली टीम - सब अलग - अलग - दौड़
- दूसरी टीम - सब हाथ पकड़ कर - UBU

तात्पर्य क्या है? →
- क्यों?
- क्या अकेला व्यक्ति?
- अलग - अलग तो क्या?
- परेशानियाँ क्या
- उपाय क्या, कैसे? → इच्छा →
  - समानता
  - पंचशील
  - सहिष्णुता
  - वस्तुनिष्ठता
  - न्याय (जॉन रॉल्स) जब तक मनुष्य - मनुष्य का

+ जलता घर देखने वालों
+ हॉब्स - सोशल कांट्रैक्ट थ्योरी
+ इतिहास - सिकंदर - गांधी
+ आयाम - राजनीतिक ← लोकतंत्र / समाजवाद / राजतंत्र } अराजकता
  - सामाजिक - असमानता, पितृसत्ता, जेंडर
  - आर्थिक - आर्थिक महामंदी, डंपिंग
  - वैज्ञानिक - विज्ञान का उपयोग?
  - पर्यावरण - सतत पर्यावरणीय विकास
    - साईं के सब जीव
    - UNFCCC, COP : 28 etc.

औरों को हंसते देखो मनु हंसो और -

वसुधैव कुटुम्बकम् जैसी भावना रही जा कि

४५ मानो
- क्यों
- कैसे
- देखने के उदाहरण
- देखने के कारण
- क्या किया जाये?

} *

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS